भारत सरकार
पर्यटन मंत्रालय
राज्य सभा
लिखित प्रश्न सं. 1738#
गुरूवार, 13 मार्च, 2025/22 फाल्गुन, 1946 (शक)
को दिया जाने वाला उत्तर

महाकुंभ 2025 को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ावा देना

1738# श्री प्रदीप कुमार वर्मा:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) महाकुंभ 2025 को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में बढ़ावा देने के लिए मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही पहलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) यात्रियों और आगंतुकों को यात्रा और आवास सुविधाएं प्रदान करने के लिए यूपीएसटीडीसी और आईआरसीटीसी जैसे पर्यटन हितधारकों के साथ क्या सहयोग स्थापित किए गए है; और

(ग) भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई), फिक्की और एसोचैम जैसे उद्योग संघों की भूमिका का ब्यौरा क्या है, जिनके साथ मंत्रालय इस पहल के लिए, विशेष रूप से आतिथ्य, यात्रा और पर्यटन सेवाओं के संदर्भ में, स्थानीय समुदायों को व्यापार और आर्थिक अवसर उपलब्ध कराने हेतु सहयोग कर रहा है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री **(श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)**

(क) से (ग): पर्यटन मंत्रालय ने विभिन्न पहलों के माध्यम से महाकुंभ **2025** को बढ़ावा दिया। मंत्रालय ने सूचना प्रदान करने और विदेशी पर्यटकों, मीडिया, इन्फ्लुएंसर्स आदि सहित पर्यटकों के साथ जुडने के लिए मेला क्षेत्र में एक अतुल्य भारत मंडप स्थापित किया था।

महाकुंभ के लिए उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विभाग निगम लिमिटेड (यूपीएसटीडीसी), भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी), एयरलाइंस आदि द्वारा पेश किए जाने वाले विभिन्न टूर पैकेज, उड़ान विकल्पों, आवास विकल्पों का एक डिजिटल ब्रोशर तथा नए क्रिएटिव्स को तैयार किया गया और उन्हें प्रसारित किया गया। इसके अतिरिक्त, पर्यटकों के लिए एक समर्पित महाकुंभ पर्यटक इन्फोलाइन (**1800111363)** स्थापित की गई थी।

पर्यटन मंत्रालय के सोशल मीडिया हैंडल के माध्यम से महाकुंभ का प्रचार भी किया गया।

भारत पर्यटन विकास निगम (आईटीडीसी), जो पर्यटन मंत्रालय का एक सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम (पीएसयू) है, ने टेंट सिटी, प्रयागराज में **80** लक्जरी टेंट आवास तैयार किए थे।

संस्कृति मंत्रालय ने उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के माध्यम से मेला क्षेत्र में कलाग्राम नामक एक सांस्कृतिक गांव की स्थापना की थी जिसमें अनुभूत मंडपम, कलाकारों का प्रदर्शन, फूड ज़ोन, पारम्परिक भारतीय हस्तशिल्प और हथकरघा आदि का प्रदर्शन और बिक्री आदि शामिल हैं।

****